अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5 X 3 = 15)

(ताल का परिचय देना आवश्यक है)

1. मत्त ताल में फरमाइशी परन
2. धमार में गिनती
3. रास ताल में परन जुडी आमद
4. रूपक में चक्रदार तोडा
5. तीनताल में नौहक्का

प्र. 2 अ) एक वाक्य मे जवाब दें । (10)

1. कवित्त की व्याख्या बताइये ।
2. ठुमरी के कितने प्रकार है, नाम बताईए ।
3. कथक नृत्य प्रस्तुति के लिए कौनसी आधुनिक तकनीकीयों का उपयोग होता है ।
4. मत्त ताल तथा रास ताल की जानकारी दें ।
5. एकताल कौनसी जाती का ताल है ।
6. ठुमरी कौनसी रागों में गायी जाती है ।
7. पं. बिरजू महाराजजी दिग्दर्शित नृत्यनाटिकाओं के नाम लिखें ।
8. किन्हीं तीन ललित कलाओं का नाम बताइये जो नृत्य से संबंधित है ।
9. नटवरी बोल किसे कहते है ।
10. भारत में आधुनिक नृत्य की शुरुआत किसने की ?

(5)

ब) जोडियाँ जमाइए ।

1. खंड जाती का ताल	1. आमद के बोल
2. मिश्र जाती का ताल	2. झपताल
3. त्राम तिगदा दिग दिग थै	3. परमेलु बोल
4. ताथै तत थै	4. रूपक
5. द्रुग झांगीर द्रुग झांगीर	5. नटवरी बोल

(3 X 5 = 15)

प्र. 3 जीवनियाँ लिखें ।

1. गुरु पं. मोहनराव कल्याणपुरकर
2. गुरु सुन्दरप्रसाद जी
3. महाराज कृष्णकुमार

(3 X 5 = 15)

प्र. 4 टिप्पणी लिखें ।

1. मूर्ति कला का नृत्य से संबंध
2. कथक में कवित्त का स्थान
3. बलराम अवतार

प्र. 5 अ) पौराणिक साहित्य में नृत्य का सन्दर्भ स्पष्ट करें । (5)

ब) निम्नलिखित किन्ही दो कलाओं के नृत्य से संबंध का उल्लेख किजिए । (10)

1. गायन
2. चित्रकला
3. साहित्य

प्र. 6 आधुनिक काल के नृत्य में विकसित होनेवाले नये तकनीक के स्वरुप पर प्रकाश डालिए । (3 X 5 = 15)

1. सायक्लोरामा
2. प्रकाश सज्जा
3. ध्वनि संयोजन

प्र. 7 पं. बिरजू महाराजजी का कथक क्षेत्र में योगदान । (15)

'या'

नृत्य में लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी की परिभाषा स्पष्ट करें । (15)